प्रभु की अरदास

सूर्य की किरणों से
यही गुजारिश करता हूँ,
आपके तेज की शक्ति से
सबको बचालो कहता हूँ,
पृथ्वी का तिनका तिनका
आपसे से ताक़त पाता है,
किरणों की ऊर्जा शक्ति से
धरती पर जीवन चलता है,
कृपा से आपकी पेड़ पौधे
सब झूम झम इठलाते है,
अवनी के मानव का जीवन
साँसों से ही चलता रहता है,
हाथ जोड़कर विनती है मेरी
पृथ्वी लोक को माफ करो,
कृपा करके हम बच्चों की
प्रार्थना को स्वीकार करो,
थम रहा साँसों का सिलसिला
मानव जीवन कैसे जी पायेगा,
कठपुतलियां इस धरती पर
आती और जाती रहती है,
आपकी अंगुली की शक्ति से
अपना किरदार निभाती है,
आपके पावन कर कमलों से
चलती ओर फिरती रहती हैं,
चरणों मे आपके सर झुकाकर
हम बच्चों की एक विनती है,
अब मत छीनो इन साँसों को
मानवता भी बहुत तड़फती है,

- **गोपाल कृष्ण व्यास**